## THE TRUE WITNESS AND CATHOLIC CHRONICLE--OCT. 25, $18 \%$.

|  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| (t) "If any map loves me, |  |  | ing like the eagle, rrom day to day, her divinely |  |
|  |  |  |  |  |
|  | sel | $\left\{\begin{array}{l} \text { Pared } \\ \text { ofed } \end{array}\right.$ |  |  |
| terating the promisc, und of putting it in such |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Did be coifer anything by this promise more | the |  |  |  |
| Protestant sense hio gare | dend |  |  |  |
| er therr |  | Catholic church is accused of fuyoring ignorance in | for whom He laid down His life, that He might pre- |  |
| Hoa, with those that loved him. -He |  |  |  |  |
| either meant nothing when he said |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Did |  |  |  |  |
|  | $\left.\right\|_{\text {bar }} ^{\text {or }}$ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| and rand eat ye all of this, for this |  |  |  |  |
| thed | lthe |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| which shall be shed for maty unto the remis- |  |  |  |  |
| sion of sins." Then to his apostles he said, |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Indians bebeld was the Dominican habit, whioh |  |  |  |
|  | was preached in cerery lad. The grain of |  |  |  |
|  | mustard seed, of divine trath, was cast into fin |  |  |  |
|  | erery seil. Did it increase-did it multiply? |  |  |  |
|  | Yes. When every other scet, when erery |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| merit of fatth, besause faith is the belief in |  |  |  |  |
| hat appoar not. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| consummation of the woild. Where do we |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | truth for the Indians. This is acknomiedred bin |  |  |  |
| Here again 1 appeal to your own sense and | cyen by Protestant writers thenselyes. "It is |  |  |  |
| roason. A stranger coming to your hind frow | a siogular tact," eays the great historian, m |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| the oburch-buitt in church forin, but he sees | made one stop in advanoo-has never gained a ${ }^{\text {a }}$ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| cona and indicieti |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Sele |  |  |  |
| citics, | norer denied that. Those that came after him |  |  |  |
| altar catches his erc. There is inotion at least; |  |  |  |  |
| thero is some idea of sacrifico. Sowething is |  |  |  |  |
| being notually oonsumed and offered to somo lender |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| $1$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | of her powef and of her lifa," |  |
|  |  |  | MEMORY OF TYE |  |
|  | , |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| ami | get up and walk out. Whence comes all this? |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| promis |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | evorything tands before etee asit has ettod for cightoen hundred ycers, and, |  |  |  |
|  | at worid, this great chureh of God mill to |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| amoong his creatures forever 10 , what an ar- |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| darful is the fuliliment of | gs that are true, accused of so many things |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| d, "And my delight and my |  |  |  |  |
| She third promise |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | . |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| mieie fufilled? He coalled the trelve, and said |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| hostile to you; they will cest you of and mill |  |  |  |  |
| put youn to skaue aud ignowiny; they will put |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| the strength of divine grace to be confined to |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| loniger was one nation or toingue privileged to |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| every bation; bringiag with them the message |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Go forth and baptise then." Be |  |  |  |  |
| hoid the message of saramental grace an |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

